



ज्ञारखण्ड सरकार

ज्ञारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, ज्ञारखण्ड
नामकुम, राँची।

फोन नं०— ०६५१—२२६१०००,२२६१८५६—२२६१००२ मेल आईडी०—nrhmjharkhand3@gmail.com

पत्रांक: 9/RCH-594/19 — 486 (MD)

दिनांक : ११ / ०४ / २०२०

प्रेषक,

डॉ. शैलेश कुमार चौरसिया, भा.प्र.से.
अभियान निदेशक।

सेवा में,

सभी सिविल सर्जन,
ज्ञारखण्ड।

विषय :- कुपोषण उपचार केन्द्रों पर नोवेल कोरोना वायरस (COVID-19) संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण के संबंध में दिशा-निर्देश।

महाशय/महाशया,

अति गंभीर कुपोषित बच्चों में सामान्य बच्चों की तुलना में आम बीमारियों से 9 से 11 गुणा अधिक खतरा रहता है। आप अवगत हैं कि किसी भी महामारी के दौरान कुपोषण के दर में वृद्धि की संभावना रहती है। दिशा-निर्देश में मुख्य अनुशंसित व्यवहारों को शामिल किया गया है, जिन्हें कुपोषण उपचार केन्द्रों में प्रोत्साहित किया जाना है। इसके अतिरिक्त COVID-19 संक्रमण में मद्देनजर कुपोषण उपचार केन्द्रों पर अनावश्यक भीड़, समूह परामर्श, रोगियों के बीच समीप से सम्पर्क, नियमित फोलोअप हेतु बच्चों को केन्द्र पर बुलाये जाने आदि से बचने की आवश्यकता है।

अतः विस्तृत दिशा-निर्देश इस पत्र के साथ संलग्न करते हुए निर्देश दिया जाता है कि कुपोषण उपचार केन्द्रों पर नोवेल कोरोना वायरस (COVID-19) के संक्रमण के बचाव हेतु दिशा-निर्देश में वर्णित अभ्यास/व्यवहार/बिन्दुओं का अनुपालन सुनिश्चित करें।

विश्वासभाजन

(अभियान निदेशक)
११/०४/२०

ज्ञापांक :- 486 (MD) दिनांक :- ११/०४/२०२०

प्रतिलिपि :-

1. प्रधान सचिव, स्वा०, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, ज्ञारखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
2. सभी उपायुक्त, ज्ञारखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएँ, ज्ञारखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
4. उप निदेशक सह नोडल पदाधिकारी, Child Health Cell ज्ञारखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
5. सभी जिला आर.सी.एच. पदाधिकारियों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
6. सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, कुपोषण उपचार केन्द्रों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
7. पोषण विशेषज्ञ, युनिसेफ, ज्ञारखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
8. सभी जिला कार्यक्रम प्रबन्धक/अस्पताल प्रबन्धक को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

(अभियान निदेशक)
११/०४/२०

CH Cell Yogendra

कुपोषण उपचार केन्द्रों पर नोवेल कोरोना वायरस (COVID-19) संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण के संबंध में दिशा-निर्देश

1. हाथ धोने संबंधी व्यवहारों को प्रोत्साहित करें :-

- यह सुनिश्चित करें कि भोजन तैयार करने से पहले, बच्चों को खिलाने से पहले एवं शौच एवं बाहरी वस्तुओं को छुने के तुरन्त बाद साबुन एवं पानी से कम से कम 40 सेकेन्ड तक हाथों को धोया जाय।
- कुपोषण उपचार केन्द्रों के कर्मी द्वारा प्रत्येक दो केस (बच्चों) के अन्तराल पर हाथ धोना सुनिश्चित किया जाय।
- सुनिश्चित करें कि इस्तेमान किये जाने वाले हैंड सैनिटाइजर में 70% Alcohol Concentration हो।
- हाथ धोने की विधि प्रदर्शन वाले पोस्टर को कुपोषण उपचार केन्द्र में हाथ धोने के स्थान पर सुनिश्चित किया जाय।

2. कुपोषण उपचार केन्द्र पर प्रबन्धन एवं उपचार :-

- कुपोषण उपचार केन्द्र में भर्ती सभी बच्चों में प्रत्येक दिन दो बार बुखार, सर्दी, खांसी व सांस लेने में तकलीफ की जाँच की जाय।
- कुपोषण उपचार केन्द्र में इलाजरत बच्चों को प्रोटोकॉल के अनुसार Antibiotic देना सुनिश्चित किया जाय।
- कुपोषण उपचार केन्द्र में भर्ती सभी बच्चों में COVID-19 के लक्षणों (तेज बुखार के साथ सर्दी, खांसी व सांस लेने में तकलीफ) की जाँच की जाय। यदि किसी बच्चे में लक्षण विद्यमान हो तो निकटवर्ती अस्पताल को सूचित किया जाय।
- बच्चों में चिकित्सीय जटिलता सामान्य होने, भूख वापस आने तथा लगातार तीन दिनों तक $>5\text{g/kg/day}$ की दर से वजन वृद्धि होने पर बच्चों को डिस्जार्च किया जा सकता है। डिस्जार्च के समय माँ/देखभालकर्ता को बच्चों के लिए घर पर की जाने वाली देखभाल, घर पर बनाये जाने वाले पौष्टिक आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता/हाथों की सफाई, प्ले थेरेपी गतिविधियों संबंधी परामर्श एवं आवश्यक औषधि, मल्टीविटामिन सीरप व आयरन सिरप प्रदान किया जाय।
- संक्रमण से बचाव हेतु शैय्याओं के बीच कम से कम एक मीटर की दूरी रखी जाय।
- सुनिश्चित किया जाय कि कुपोषण उपचार केन्द्र में इलाजरत बच्चों के साथ केवल एक परिचारक उपस्थित हो व अनावश्यक भीड़ न लगाया जाय।
- समूह परामर्श, Play Therapy और group food demonstration को अगले आदेश तक निलंबित कर दिया जाय तथा ANM / counselor द्वारा माता / देखभालकर्ता को व्यक्तिगत बेड साइड परामर्श दिया जाय।
- COVID-19 के सक्रिय संचार अवधि से जुड़े खतरे को देखते हुए, विरमित हुए सभी बच्चों को 15 दिनों के अन्तराल पर फॉलोअप के लिए नहीं बुलाया जाय। इन सभी बच्चों का दूरभाष पर फॉलोअप किया जाय।
- कुपोषण उपचार केन्द्रों पर इलाजरत बच्चों की माताओं/देखभालकर्ता को प्रत्येक दिन 100₹ पारिश्रमिक क्षतिपूर्ति का भुगतान सुनिश्चित किया जाय।
- जो माताएँ अनीमिक हैं, उन्हें IFA Supplements दिया जाना चाहिए और उन्हें वैसे आहार लेने हेतु सलाह दी जाय जिनमें प्रोटीन, ऊर्जा और सूक्ष्म पोषक तत्वों से अधिक हो, जो उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ायेगी।

3. Respiratory Hygiene बनाये रखें।

- दैनिक गतिविधियों के दौरान कुपोषण उपचार केन्द्र के सभी कर्मियों को Respiratory hygiene बनाये रखने के लिए मास्क पहनना चाहिए।
- इलाजरत बच्चे एवं उनके माताओं/देखभालकर्ताओं को भी मास्क उपलब्ध कराया जाय।

4- कुपोषण उपचार केन्द्र पर स्वच्छता बनाये रखें

- कुपोषण उपचार केन्द्र के फर्श को साफ करने में Sodium Hypochlorite Solution (1%) का नियमित रूप से उपयोग किया जाय ताकि पूर्ण स्वच्छता सुनिश्चित किया जा सके।
- कुपोषण उपचार केन्द्रों के कर्मी जो प्रत्येक दिन बच्चों के परीक्षण में लगे हुए हैं, उन्हें प्रत्येक दो कैस (बच्चों) के जौच के उपरान्त अल्कोहल आधारित सैनिटाइजर या साबुन और पानी से हाथ धोना चाहिए।
- MTC प्रोटोकॉल के अनुसार, बिस्तर पर चादरों की सफाई सुनिश्चित की जाय, यदि बेडशीट गीली हो जाती है तो तुरन्त बदल दिया जाना चाहिए या Mackintosh से बदल दिया जाना चाहिए।
- कुपोषण उपचार केन्द्र पर दैनिक उपयोग वाले उपकरणों यथा वजन मशीन, Infantometer, Stadiometer, Length Mat, MUAC Tape, Digital Thermometer, Drug Tray, बच्चों के खिलौने, बर्तन, Bedsheets, वार्ड के दरवाजे एवं खिडकियाँ आदि का नियमित रूप से साफ—सफाई एवं 70% Ethyl Alcohol solution की सहायता से disinfect किया जाय। इस हेतु MTC के कर्मियों द्वारा निदेशों का अक्षरण: अनुपालन किया जाय।
- कुपोषण उपचार केन्द्र के कर्मियों को नियमित रूप से टेबल, कुर्सियों, दरवाजों, खिडकियों, खिडकी की रेलिंग, हैंडल को बार—बार छूने से बचना चाहिए एवं नियमित रूप से उक्त वस्तुओं का Disinfection सुनिश्चित किया जाय।
- यह सुनिश्चित किया जाय कि सभी कुपोषण उपचार केन्द्रों पर स्वच्छ पेयजल हेतु फिल्टर/RO की का प्रावधान किया गया हो।
- MTC में बच्चों और माँ/देखभालकर्ता के लिए अलग बर्तनों का प्रावधान किया जाय और यह सुनिश्चित किया जाय कि प्रत्येक फीड के बाद बर्तन ठीक से साफ हो जाय।
- माताओं/देखभालकर्ताओं द्वारा उपयोग में लाये जाने वाले शौचालय में स्वच्छता बनाये रखने हेतु नियमित साफ—सफाई सुनिश्चित की जाय।
- डस्टबीन को संक्रमण मुक्त रखने के लिए क्लोरीन से प्रत्येक दिन सफाई की जानी चाहिए।
- भोजन तैयार करने एवं परोसने में उपयोग में लाये जाने वाले बर्तनों को संक्रमण मुक्त रखने के लिए नियमित रूप से sterilized किया जाना चाहिए।
- कुपोषण उपचार के सभी कर्मी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय मास्क का उपयोग सुनिश्चित करेंगे।
- कुपोषण उपचार केन्द्र के Cook को खाना बनाते और परोसते समय Apron, दस्ताने एवं टोपी का उपयोग करना चाहिए